Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# कक्षा - 8

## सामाजिक विज्ञान

### हमारे अतीत-III

### अध्याय-5 : जब जनता बग़ावत करती है
### 1857 और उसके बाद

### भाग-3

### कंपनी का पलटवार

निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

# विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. अंग्रेजों की नीतियाँ और उनका प्रभाव
2. सैनिक विद्रोह जनविद्रोह बन गया
3. कंपनी का पलटवार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# कंपनी का पलटवार

- कंपनी ने इंग्लैंड से फ़ौजी मँगवाए और विद्रोह के मुख्य केंद्रों पर धावा बोल दिया।
- सितंबर 1857 में दिल्ली अंग्रेज़ों के कब्ज़े में आ गई।
- अंतिम मुग़ल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र को आजीवन कारावास की सज़ा दी गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- बहादुर शाह और उनकी पत्नी बेगम जीनत महल को अक्तूबर 1858 में रंगून जेल में भेज दिया गया।
- इसी जेल में नवंबर 1862 में बहादुर शाह ज़फ़र ने अंतिम साँस ली।
- मार्च 1858 में लखनऊ अंग्रेज़ों के कब्ज़े में चला गया।
- जून 1858 में रानी लक्ष्मीबाई को मार दिया गया।

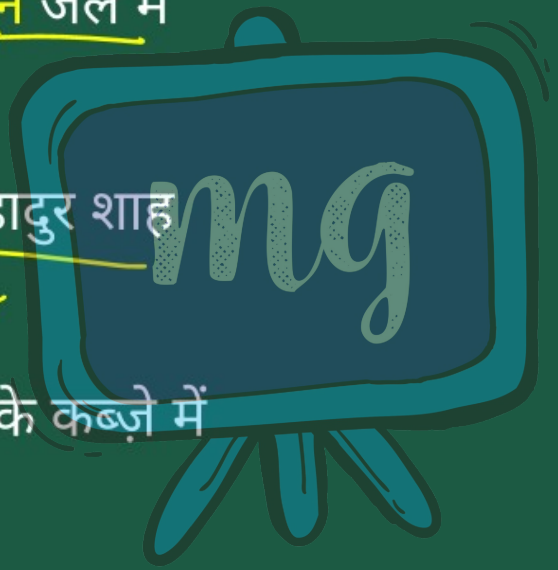

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ **तात्या टोपे** मध्य भारत के जंगलों में रहते हुए आदिवासियों और किसानों की सहायता से छापामार युद्ध चलाते रहे।

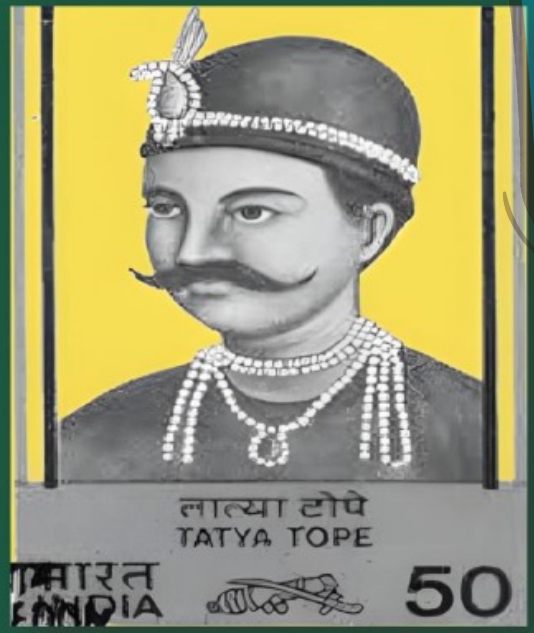

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेज़ों ने वफ़ादार भूस्वामियों के लिए ईनामों का ऐलान कर दिया।
- उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी ज़मीन पर उनके परंपरागत अधिकार बने रहेंगे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

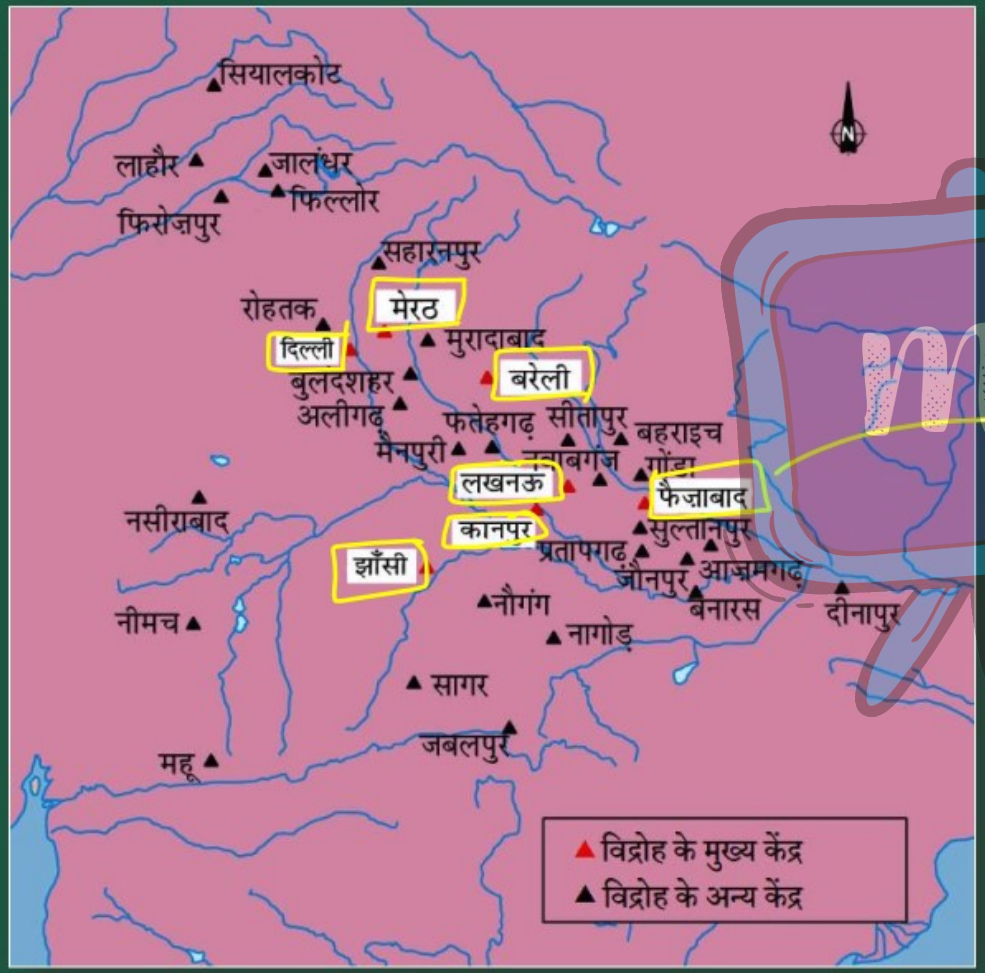

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# विद्रोह के बाद के साल

- अंग्रेज़ों ने 1859 के आखिर तक देश पर दोबारा नियंत्रण पा लिया था।
- अब वे पहले वाली नीतियों के सहारे शासन नहीं चला सकते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज़ों ने जो अहम बदलाव किए वे निम्नलिखित हैं–

1. ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।

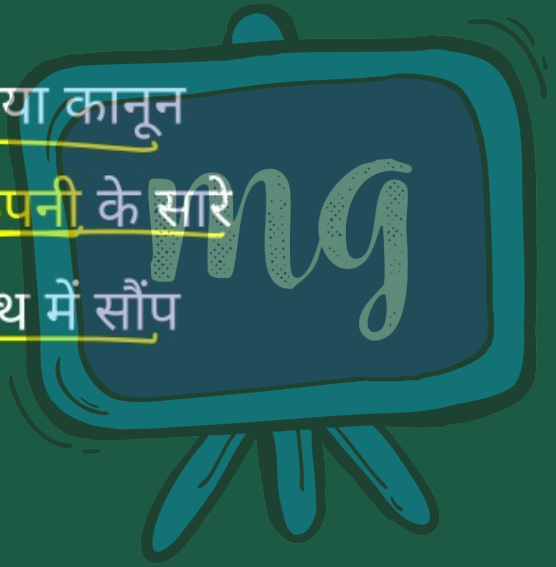

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. ब्रिटिश मंत्रिमंडल के एक सदस्य को भारत मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उसे सलाह देने के लिए एक परिषद् का गठन किया गया जिसे इंडिया काउंसिल कहा जाता था।
3. भारत के गवर्नर-जनरल को वायसराय का ओहदा दिया गया।

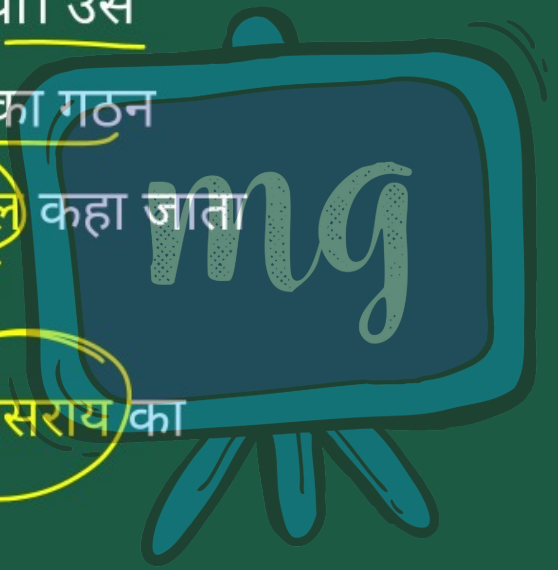

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. देश के सभी शासकों को भरोसा दिया गया कि भविष्य में कभी भी उनके भूक्षेत्र पर कब्ज़ा नहीं किया जाएगा। उन्हें अपनी रियासत अपने वंशजों, यहाँ तक कि दत्तक पुत्रों को सौंपने की छूट दे दी गई।
5. सेना में भारतीय सिपाहियों का अनुपात कम करने और यूरोपीय सिपाहियों की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. अवध, बिहार, मध्य भारत और दक्षिण भारत से सिपाहियों को भर्ती करने की बजाय अब गोरखा, सिखों और पठानों में से ज़्यादा सिपाही भर्ती किए जाएँगे।
7. मुसलमानों की ज़मीन और संपत्ति बड़े पैमाने पर जब्त की गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8. अंग्रेज़ों ने फैसला किया कि वे भारत के लोगों के धर्म और सामाजिक रीति-रिवाज़ों का सम्मान करेंगे।

9. भूस्वामियों और ज़मींदारों की रक्षा करने तथा ज़मीन पर उनके अधिकारों को स्थायित्व देने के लिए नीतियाँ बनाई गईं।

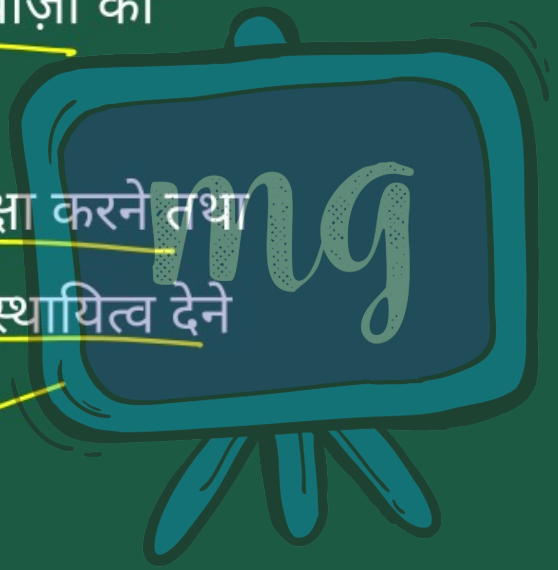

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

# "खुर्दा संग्राम - एक केस स्टडी"

- 1857 के समान ही एक घटना सन् 1817 में खुर्दा नामक स्थान पर घटित हुई थी।
- खुर्दा ओडिशा के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित एक छोटा राज्य था।
- इसके शासक, राजा बीरकिशोर देव थे।
- उन्हें अपने चार परगनाओं को तथा जगन्नाथ मंदिर के संचालन अधिकार को दबाव में आकर मराठाओं को सौंप देना पड़ा था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उनके पुत्र तथा उत्तराधिकारी, मुकुंद देव (द्वितीय) इस दुर्दशा से विचलित थे।
- अतः अंग्रेज़ों और मराठों के बीच जारी संघर्ष में उन्होंने अंग्रेजों के साथ सलाह मशवरा शुरू कर दिया था।
- 1803 में ओडिशा को अपने कब्जे में लेने के बाद अंग्रेज़ों ने कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की।
- परिणामतः उन्होंने जबरन अपने अधिकारों को लागू करने का प्रयास किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेज़ों ने उनके राज्य को अपने राज्य में मिला लिया।
- सांत्वना के रूप अंग्रेज़ों ने उन्हें जगन्नाथ मंदिर की देखरेख का दायित्व दिया तथा उनका निवास पुरी में निश्चित कर दिया।
- खुर्दा को अपने अधीन करने के बाद अंग्रेजों ने जमीन पर कर लगाने की नीति अपनाई।
- इसमें राज्य के पूर्व सैनिक वर्ग, जिन्हें 'पाइक' के नाम से जाना जाता था, उनका जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

Under CSR Support by ipca | Foundation

# सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. कंपनी द्वारा पुनः भारतीय रियासतों पर कब्जा
2. 1857 के बाद का नया चरण

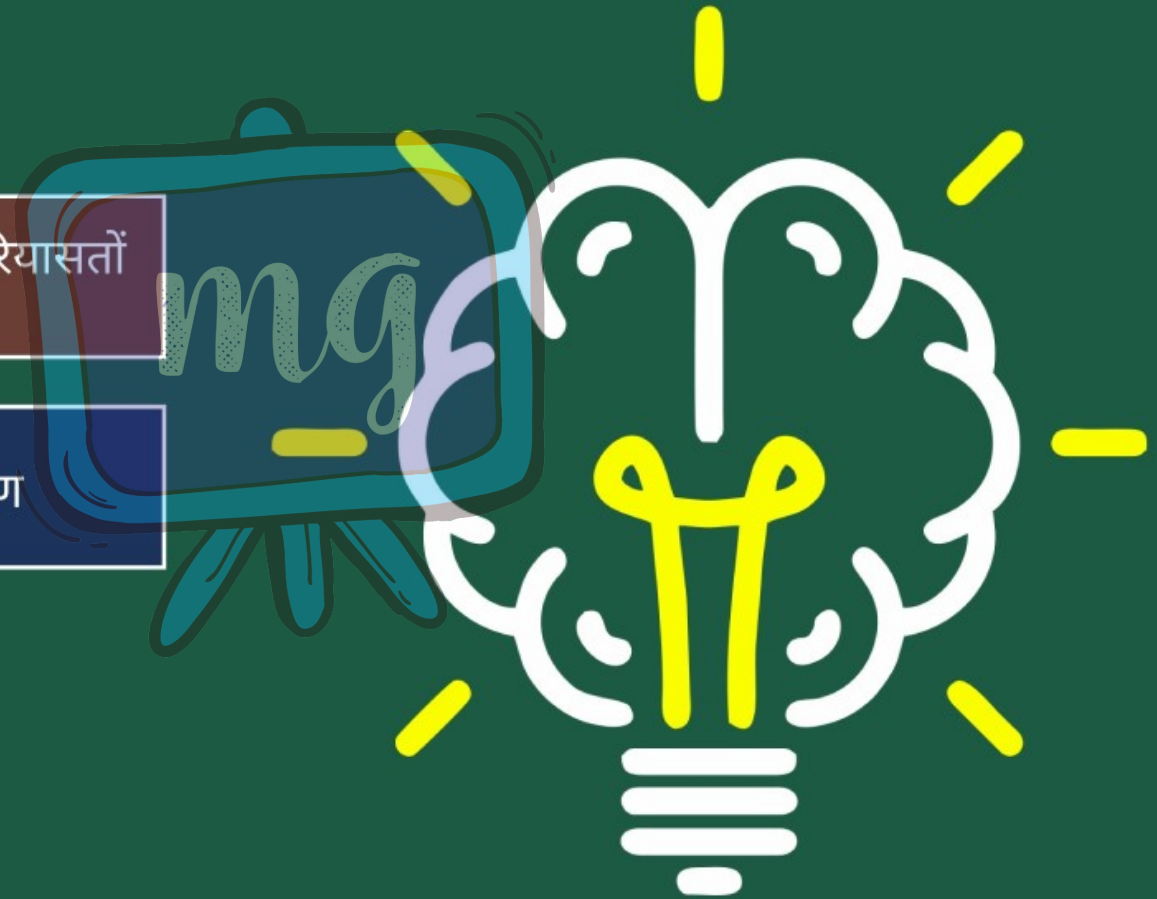

Under CSR Support by ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

**1** अंग्रेजों ने दिल्ली पर दोबारा कब्जा कब किया?

अ सितम्बर 1857

ब जून 1857

स जुलाई 1857

द जून 1857






Under CSR Support by ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

**2** बहादुर शाह जफ़र को कहाँ की जेल में भेजा गया?

अ रंगून

ब श्रीलंका

स चीन

द मलेशिया






Under CSR Support by
ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

**3** रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु कब हुई?




अ जून 1857

ब जून 1858

स अगस्त 1857

द अगस्त 1857



Under CSR Support by ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

**4** ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।

अ सत्य

ब असत्य






Under CSR Support by ipca Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

**5** | 1857 ई. के विद्रोह के पश्चात् भारत के गवर्नर जनरल को ---------- का ओहदा दिया गया।

वायसराय




